स्नातक स्तरीय महिला अध्ययन पाठ्यक्रम

	बी०ए० प्रथम वर्ष	अधिक अंक/ पूर्णांक
प्रथम प्रश्न पत्र	महिला अध्ययन के सिद्धान्त एवं विकास	50
द्वितीय प्रश्न पत्र	ऐतिहासिक एवं समसामयिक परिप्रेक्ष्य में भारत में महिलाओं की स्थिति	50
	बी०ए० द्वितीय वर्ष	
प्रथम प्रश्न पत्र	भारत में महिला आन्दोलन एवं जागृति	50
द्वितीय प्रश्न पत्र	भारतीय महिलाओं के लिए वैधानिक प्रावधान एवं प्रसार कार्य	50
	बी०ए० तृतीय वर्ष	
प्रथम प्रश्न पत्र	महिलाओं के मुद्दे एवं स्थिति परिवर्तन के लिए कार्य	50
द्वितीय प्रश्न पत्र	(अ) उत्तर प्रदेश में महिलाएँ	50
	अथवा	
	(ब) महिलाएँ एवं राजनीति	50
तृतीय प्रश्न पत्र	(अ) सामाजिक अनुसंधान पद्धति (विशेष रूप से महिला अध्ययन के सन्दर्भ में)	50
	अथवा	
	(ब) महिला अध्ययन की साहित्यिकी	50
	अथवा	
	(स) प्रोजेक्ट रिपोर्ट, लघु शोध प्रबंध, क्षेत्र में प्रसार कार्य एवं आख्या (समसामयिक विषयों पर)	50

महिला अध्ययन-पाठ्यक्रम,
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर

बी0ए0 प्रथम वर्ष **पूर्णांक–50**

प्रथम प्रश्न पत्र : महिला अध्ययन के सिद्धान्त एवं विकास

प्रथम इकाई : महिला अध्ययन का विकास, पश्चिम एवं एशिया परिदृश्य, भारत में महिला अध्ययन, भारत में महिला अध्ययन का उद्देश्य एवं कार्य क्षेत्र।

द्वितीय इकाई : महिला आन्दोलन की धारायें

1. उदार नारीवाद (Libral Feminism)
2. उग्र नारीवाद (Radical Feminism)
3. समाजवादी नारीवाद (Socialist Feminism)

तृतीय इकाई : महिलाओं की भूमिका सम्बन्धी सिद्धान्त

1. जैविकीय (Biological)
2. मनोवैज्ञानिक (Psychological)
3. सामाजिक (Sociological)
4. मानवशास्त्रीय (Anthropological)
5. पर्यावरर्णीय नारीवाद (Eco. Feminism)

संदर्भ पुस्तकें :

1. नीरा देसाई, वीमेन एवं सोसाइटी, एस0एन0डी0टी0 वीमेन्स यूनिवर्सिटी, बम्बई।
2. ''समानता की ओर'' महिलाओं की स्थिति विषयक समिति की रिपोर्ट, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली–1975
3. राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना, भारत सरकार, 1988
4. डॉ0 हेमलता स्वरूप, 'मानुषिकी क्या, क्यों और कैसे?' साहित्य प्रकाशन, कानपुर।
5. डॉ0 हेमलता स्वरूप एवं डॉ0 शील मिश्रा 'महिलाओं के भूमिका सम्बन्धी सिद्धान्त', साहित्य प्रकाशन, कानपुर।
6. वीना पुनाचा, 'अण्डरस्टैण्डिंग वीमेन्स स्टडीज', एस0एन0डी0टी0 वीमेन्स यूनिवर्सिटी, मुम्बई, 1999
7. मैत्रेयीकृष्णराज, सम्पा0 'फेमिनस्ट कन्सेप्ट्स' रिसर्च सेन्टर फॉर वीमेन्स स्टडीज, एस0एन0डी0टी0 वीमेन्स युनिवर्सिटी, जूहू रोड, मुम्बई।
8. चौधरी मैत्रेयी, 'फेमिनिज्म इन इण्डिया' नई दिल्ली वीमेन्स अनलिमिटेड, 2003

*****

बी0ए0 प्रथम वर्ष — पूर्णांक–50

द्वितीय प्रश्न पत्र : ऐतिहासिक एवं समसामयिक परिप्रेक्ष्य में भारत में महिलाओं की स्थिति।

प्रथम इकाई : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में भारत में महिलाओं की स्थिति

1. प्राचीन काल में मातृ–सत्तात्मक व पितृ–सत्तात्मक समाज– धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक संक्रमण।
2. मध्य युग (पितृ–सत्ता का गहराता शिकंजा)
3. आधुनिक काल– पश्चिम का प्रभाव व सुधारवादी आन्दोलन, स्वाधीनता संग्राम, नारी और राजनीति।
4. स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात्– संविधान द्वारा प्रदत्त स्थिति।

द्वितीय इकाई : भारत में धर्म, संस्कृति एवं नारी (रूप–रेखा मात्र)

1. पूर्व वैदिक समाज व संस्कृति नारी की उच्च स्थिति।
2. वैदिक साहित्य में नारी–शिक्षा, विवाह, विवाहित जीवन, स्त्रियों की सामान्य स्थिति व अधिकार।
3. बौद्ध, जैन व अन्य समाज में नारी की स्थिति।
4. धर्मशास्त्रीय साहित्य–विवाह, विवाहित जीवन स्त्रियों की सामान्य स्थिति व अधिकार।
5. सूफी सन्त परम्परा व नारी।
6. पुनरूत्थानवाद एवं परम्परावाद का स्त्रियों पर प्रभाव।

तृतीय इकाई : समसामयिक संदर्भ में महिलाओं की स्थिति

1. **सामाजिक स्थिति** : परिवार एवं समाज में स्त्रियों की स्थिति, जाति, वर्ग एवं क्षेत्रीयता के आधार पर विभेद, भूमण्डलीयकरण का स्त्रियों पर प्रभाव।
2. **शैक्षिक स्थिति** : महिलाओं एवं बालिकाओं की शैक्षिक स्थिति का सांख्यिकीय अवलोकन प्राइमरी, माध्यमिक, उच्च, तकनीकी एवं व्यवसायिक स्तर पर, नई शिक्षा नीति 1986 एवं राज्य शिक्षा नीति, बालक बालिकाओं के शैक्षिक विकास में बाधाएँ एवं सुझाव, महिलाओं के लिये राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना में की गयी सिफारिशें, शिक्षा का अधिकार (कानून) सर्वशिक्षा अभियान एवं बालिकाएँ।

3. **राजनैतिक स्थिति** : प्रतिनधित्व प्रदान करने वाली संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी, महिलाओं की राजनैतिक क्रियाशीलता सिद्धान्त एवं व्यवहार, बाधायें एवं सुझाव, पंचायती राज व स्थानीय स्वशासी संस्थाओं में महिला आरक्षण, लोक सभा एवं विधान सभाओं में महिला आरक्षण का प्रश्न।

4. **आर्थिक स्थिति** : आर्थिक विकास में महिलाओं के योगदान का महत्व, रोजगार में महिलाओं की अदृश्यता व उनके हाशिये पर होने के मुद्दे, संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में महिलायें, महिलाओं के लिये उद्यमिता कार्यक्रम का मूल्यांकन।

संदर्भ पुस्तकें :

1. लोकायत, देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय, पी0पी0एच0 दिल्ली, 1956
2. ''समता की ओर'' महिलाओं की स्थिति विषयक रिपोर्ट, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली, 1975
3. वैदिक एवं धर्मशास्त्रीय साहित्य में नारी, श्रीमती कूजर, विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी।
4. सिम्बल्स आफ पावर, डॉ0 वीना मजूमदार, दिल्ली।
5. नीरा देसाई, वीमेन एण्ड सोसाइटी, एस0एन0डी0टी0, वीमेन्स यूनिवर्सिटी, बम्बई।
6. 'श्रम शक्ति' रिपोर्ट।
7. भसीन, कमला 1998, 'ह्वाट इज पैट्रियार्की', नई दिल्ली, काली फॉर वीमेन।
8. पांडिया, चंद्रकला 'धर्मशास्त्र और स्त्री विमर्श' महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी–05
9. शुक्ला, मनीषा 'ऋग्वेद संहिता में स्त्री : एक अध्ययन' महिला अध्ययन एवं विकास केन्द्र, काशी, हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी।
10. वीना पुनाचा, 'जेण्डर एण्ड पॉलिटिक्स', रिसर्च सेन्टर फॉर वीमेन्स स्टडीज, एस0एन0डी0टी0 वीमेन्स यूनिवर्सिटी, मुम्बई।
11. आर्य, डॉ0 प्रतिभा 'स्मृतियों में राजनीति और अर्थशास्त्र' विश्वभारती अनुसंधान परिषद ज्ञानपुर, वाराणसी।

*****

बी0ए0 द्वितीय वर्ष — पूर्णांक–50

प्रथम प्रश्न पत्र : भारत में महिला आन्दोलन एवं जागृति

प्रथम इकाई : सुधार आन्दोलन, नारी उत्थान के लिये समाज सुधारकों का योगदान

1. राजा राम मोहन राय
2. दयानन्द सरस्वती
3. ईश्वरचन्द्र विद्यासागर
4. महादेव गोविन्द रानाडे
5. ज्योति बा फूले
6. महात्मा गाँधी
7. बाबा साहेब अम्बेडकर

द्वितीय इकाई : स्वाधीनता आन्दोलन में महिलाओं की भूमिका, 1857 से 1947

तृतीय इकाई : भारत में महिला आन्दोलन एवं उद्‌भव एवं विकास, महिला आन्दोलन के उद्‌देश्य व मुद्‌दे, राष्ट्रीय स्तर के महिला संगठनों का परिचय, उद्‌देश्य एवं उपलब्धियाँ, महिला आन्दोलन एक दबाव समूह के रूप में।

चतुर्थ इकाई : महिला सम्बन्धी नवीन आन्दोलन– महिला एवं पर्यावरण आन्दोलन, महिला अध्ययन आन्दोलन, महिला आन्दोलन व स्वायत्त महिला समूह 1975 से अन्तर्राष्ट्रीय महिला वर्ष एवं दशक का प्रभाव एवं उपलब्धियाँ।

संदर्भ पुस्तकें :

1. दत्त, कार्तिक चन्द्र 'राजाराम मोहन राय : जीवन और दर्शन', लोकभारती प्रकाशन, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद।
2. पी0एम0 मैथ्यू, एम0एस0 जैन 'वीमेन्स अर्गनाइजेशन्स एण्ड वीमेनज इन्टरेस्ट्स', आशीष पब्लिशिंग हाउस, पंजाबी बाग, नई दिल्ली–24
3. पाण्डेय, धनपति 'स्वामी दयानन्द सरस्वती' प्रकाशन विभाग सूचना एवं प्रसार मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
4. व्होरा, आशारानी 'महिलाएँ और स्वराज' प्रकाशन विभाग, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
5. चौधरी, मैत्रेयी 'इण्डियन वीमेन्स मूवमेन्ट : रिफार्म एण्ड रिवाइवल' नई दिल्ली, रैडिएण्ट पब्लिकेशन्स, 1993
6. National Policy for the Empowerment of Women, Govt. of India, New Delhi, 2001

*****

बी0ए0 द्वितीय वर्ष पूर्णांक–50

द्वितीय प्रश्न पत्र : भारतीय महिलाओं के लिए वैधानिक प्रावधान एवं प्रसार कार्य

प्रथम इकाई : परिचयात्मक– महिला अधिकार मूलतः मानव अधिकार, भारतीय संविधान में समानता, भारतीय संविधान की प्रस्तावना एवं मौलिक अधिकारों में समानता।

द्वितीय इकाई : महिला सशक्तिकरण और कानून
वैधानिक प्राविधान– वैवाहिक, उत्तराधिकार, भरणपोषण, सती प्रथा, दहेज, अनैतिक व्यापार निवारण, महिलाओं का अशिष्ट रूपण, महिला श्रम कानून, प्रथम सूचना और गिरफ्तारी सम्बन्धी कानून, कामकाजी महिलाओं का यौन उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, निःशुल्क कानूनी सहायता, महिला आयोग की भूमिका, राष्ट्र के प्रति महिलाओं के दायित्व।

तृतीय इकाई : महिलाओं के राजनैतिक अधिकार व उनका उपयोग, पंचायत, स्थानीय व शासकीय स्तर पर महिलाओं के अधिकार, महिला उत्पीड़न एवं न्याय, महिलाओं की स्थिति सुधारने में न्यायपालिका की भूमिका।

प्रसार कार्य : महिलाओं के लिये प्रसार कार्य की आवश्यकता, सतत शिक्षा, जनसंख्या शिक्षा, ग्रामीण विकास, कानूनी साक्षरता, पर्यावरण शिक्षा, राष्ट्रीय एकीकरण, अल्पसंख्यक विकास, शैक्षिक भ्रमण, उपयोगिता एवं सामाजिक कार्य।

संदर्भ पुस्तकें :

1. महिलाओं के लिये कानून की दोहरी मान्यताएं, नन्दिता हक्सर
2. महिलाएं एवं कानून, चेतना सिंह मेहता
3. वीमेन एण्ड लॉ एण्ड सोशल चेन्ज – शुभशुद्दीन
4. भारतीय नारी और कानून – भारत सरकार प्रकाशन, 1993
5. जोशी, आर0पी0 सम्पा0 'कान्सटीट्शनलाइजेशन ऑफ पंचायतीराज' रावत पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली।
6. जैन, अरविन्द 'औरत होने की सजा' राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

*****

बी0ए0 तृतीय वर्ष पूर्णांक–50

प्रथम प्रश्न पत्र : महिलाओं के मुद्दें एवं स्थिति परिवर्तन के लिये कार्य

प्रथम इकाई : महिलाओं के मुद्दें एवं समस्यायें

1. सैद्धान्तिक– पितृ–सत्तात्मक समाज में नारी की पराधीन स्थिति, महिलाओं के प्रति ढॉचागत हिंसा, परिवार व वृहत्तर समाज, गैर भागीदारी, शिक्षा, सम्पत्ति व सत्ता में।
2. बालिकाओं के मानव अधिकार, यू0एन0ओ0 द्वारा इसं संदर्भ में किये गये प्रयास।
3. सामाजिक– दहेज, तलाक, आत्महत्या, शारीरिक शोषण वैश्यावृत्ति, बालिका भ्रूण हत्या एवं महिलाओं के विरूद्ध बढ़ती हुई अन्य हिंसात्मक गतिविधियाँ।
4. शैक्षिक– शिक्षा में बालिकाओं का आदृश्य, विस्तार की दिशायें, शैक्षिक संस्थायें, महिला शिक्षा की विशिष्टता, उभरती तकनीकी शिक्षा में भागीदारी।
5. राजनैतिक भागीदारी– अधिकाधिक भागीदारी की आवश्यकता, ग्रामीण व नगरीय स्तर की संस्थाओं में एक तिहाई भागीदारी का प्रयोग व उसके नतीजें, महिला संगठन दबाव समूह के रूप में।
6. आर्थिक– वर्कफोर्स में महिलायें– शहरी एवं ग्रामीण स्तर पर। संगठित एवं असंगठित क्षेत्र में कार्यरत महिलाओं की समस्यायें, घरेलू महिला के कार्यों का आर्थिक मूल्य।
7. स्वास्थ्य एवं महिलायें : प्रशासकीय एवं विधायी प्रयास।
8. पर्यावरण व विकास सम्बन्धी मुद्दें।
9. घरेलू उत्तरदायित्व व कैरियर– भूमिकाओं का द्वन्द।
10. संचार माध्यम एवं महिलाएँ।

द्वितीय इकाई : सामाजिक परिवर्तन के लिये कार्य

1. राष्ट्रीय स्तर
   - (अ) राज्य की भूमिका
   - (ब) राष्ट्रीय स्तर पर महिलाओं की समस्याओं से संघर्षरत राष्ट्रीय संगठन
   - (स) राष्ट्रीय महिला आयोग
   - (द) केन्द्रीय/राज्य कल्याण बोर्ड

2. अन्तर्राष्ट्रीय स्तर

(अ) मैक्सिको से बीजिंग तक

(ब) यू0एन0 कमीशन ऑफ वीमेन स्टेट्स, 1975

(स) मैक्सको कान्फ्रेन्स (1975)

(द) कोपेनहेगेन कान्फ्रेन्स (1980)

(य) नैरोबी कान्फ्रेन्स (1985)

(र) बीजिंग कान्फ्रेन्स (1995)

(ल) एजेण्डा–21 (1997)

(व) बीजिंग कांफ्रेन्स से आज तक

संदर्भ पुस्तकें :

1. Forward looking strategies.
2. Beijing's Platform of Action
3. Towards Equality
4. National Perspective Plan for Women (1988-2000)
5. Kapoor, Promilla, Changing status of working women in India, Vikas, New Delhi.
6. Sen Gupta, Padmini, Women workers in India, Asia, Bombay.
7. Indirasan, Jaya 'Education for women's Empowerment' New Delhi, Konark, 2002.
8. National Health Policy, Delhi Science Forum, New Delhi, 2001.

*****

बी0ए0 तृतीय वर्ष पूर्णांक–50

द्वितीय प्रश्न पत्र : उत्तर प्रदेश में महिलायें

: **1. उत्तर प्रदेश की विशिष्ट स्थिति**

(1) ऐतिहासिक संदर्भ

(2) वर्तमान परिदृश्य

(3) अन्य प्रदेशों की तुलना में उत्तर प्रदेश की महिलाओं की विशिष्टता

(4) महिला विषयक धारणाएँ

2. उत्तर प्रदेश में महिलाओं की स्थिति

(1) जन्मदर और उसका विश्लेषण

(2) मृत्युदर और उसका विश्लेषण

(3) बालिका भ्रूण हत्या अन्य प्रदेशों के साथ तुलनात्मक अध्ययन

(4) महिलाओं के प्रति बढ़ते हुए अपराध एवं हिंसा (तथ्यात्मक आंकड़ों के परिप्रेक्ष्य में)

3. उत्तर प्रदेश में महिलाओं की शैक्षणिक स्थिति (1950 से आज तक)

(1) प्राथमिक शिक्षा

(2) माध्यमिक शिक्षा

(3) उच्च शिक्षा

(4) प्राविधिक शिक्षा/तकनीकी शिक्षा

(5) व्यावसायिक शिक्षा

(6) अन्य क्षेत्र

4. सामाजिक स्थिति

(1) विभिन्न भूमिकाओं में महिलायें

(2) एकल एवं संयुक्त परिवारों में महिलाओं की स्थिति

(3) गृहिणी एवं बाहर कार्य करने वाली महिलाओं की स्थिति

5. आर्थिक स्थिति

(1) महिला– उत्पादन की इकाई के रूप में
(2) कृषि क्षेत्र
(3) औद्योगिक क्षेत्र
(4) व्यावसायिक क्षेत्र
(5) नवीन क्षेत्रों का उद्घाटन
(6) सरकारी क्षेत्र की नौकरियाँ

6. प्रकीर्ण

– विकास की प्रक्रिया व पर्यावर्णीय अवस्था
– विकास की प्रक्रिया में महिलाओं की स्थिति
– राजनैतिक भागीदारी एवं सत्ता में स्थिति, समसामयिक मुद्दें व बदलाव के उपाय।

अथवा

महिलायें एवं राजनीति — पूर्णांक–50

प्रथम इकाई : <u>स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात्</u>
भूमिका
भारतीय संविधान एवं महिलायें
चुनावी राजनीति में महिलाओं की भागीदारी लोकसभा में विधान सभा में (विशेष रूप से उत्तर प्रदेश के सन्दर्भ में)
पंचायती राज विधेयक
महिलाओं का राजनीतिक सामाजीकरण

द्वितीय इकाई : राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय महिला आरक्षण : मुद्दें एवं राजनीति की वास्तविकता।

तृतीय इकाई : महिलाओं की राजनैतिक क्रियाशीलता : सिद्धान्त एवं व्यवहार।

प्रसार कार्य : महिलाओं की राजनैतिक, क्रियाशीलता के बाधक तत्व एवं उनकों दूर करने के उपाय, राजनैतिक महिला अभिजन (Elite), महिलाओं की राजनैतिक भागीदारी का भविष्य।

संदर्भ पुस्तकें :

– Veena Majundar, Symbols of Power, I.C.S.S.R., New Delhi.
– राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना वर्ष 1988–2000, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, दिल्ली।
– Women Parliamentarians - A Study in Indian Context by Ranjana Kumari.
– महीपाल, सम्पा0 'पंचायतीराज' सारांश प्रकाशन प्रा0लि0, दिल्ली–91
– लारेन्स, डॉ0 जास्मिन 'महिला श्रमिक : सामाजिक स्थिति एवं समस्याएँ' आदित्य पब्लिशर्स, मध्यप्रदेश।

*****

बी0ए0 तृतीय वर्ष पूर्णांक–50

तृतीय प्रश्न पत्र : **(अ) सामाजिक अनुसंधान पद्धति**

(विशेष रूप से महिला अध्ययन के संदर्भ में)

प्रथम इकाई : **परिचयात्मक**

सामाजिक अनुसंधान का अर्थ, प्रकृति, आवश्यकता, विशेषतायें, उद्देश्य, सामाजिक अनुसंधान एवं सामाजिक सर्वेक्षण में अन्तर।

द्वितीय इकाई : **वैज्ञानिक अध्ययन पद्धति**

वैज्ञानिक विधि

वैज्ञानिक अध्ययन पद्धति की विशेषतायें

वैज्ञानिक अध्ययन पद्धति के पद

तृतीय इकाई : **तथ्य संकलन की विधियाँ**

1. प्रेक्षण
2. साक्षात्कार
3. प्रश्नावली
4. अनुसूची
5. वैयक्तिक अध्ययन पद्धति
6. मौखिक इतिहास
7. लिंग परक तुलनात्मक मूल्यांकन पद्धति
   (मानव विकास सूचकांक, लिंग परक विकास सूचकांक, लिंगपरक सशक्तीकरण, सूचकांक)

चतुर्थ इकाई : **तथ्यों का विश्लेषण**

विश्लेषण के साधन,

प्रणालियाँ एवं निष्कर्ष

पंचम इकाई : **अनुसंधान प्रतिवेदन**

प्रतिवेदन का महत्व, आवश्यकता

अनुसंधान प्रतिवेदन के प्रकार

अनुसंधान प्रतिवेदन के पद अथवा प्रस्तुततीकरण

संदर्भ पुस्तकें :

1. सामाजिक एवं मनोवैज्ञानिक अनुसंधान, डॉ0 डी0एन0 श्रीवास्तव, साहित्य प्रकाशन, आगरा।
2. अनुसंधान विधियाँ व्यवहारपरक विज्ञानों में डा0 एन0के0 कपिल।
3. Foundations of Behavioural Research, Kerlingoo, Fred. N. Pub. Newyork Holt, Reinhantand Winston.
4. Designing Family Research : A Model for Women's Studies, S.N.D.T. Women's University, Bombay.

अथवा

(ब) महिला अध्ययन की साहित्यिकी — पूर्णांक–50

1. महिला रचनाओं का समेकित रूप में अध्ययन
2. साहित्य में प्रतिबिम्बित महिलायें
   (1) ऐतिहासिक संदर्भ (2) वर्तमान संदर्भ
3. महिलाओं द्वारा रचित साहित्य
   (1) ऐतिहासिक (अ) (1) बैदिक (2) संस्कृत
   (ब) प्राकृत पाली
   (स) अपभ्रंश
   (द) पुरानी हिन्दी
   (य) आधुनिक युग – गद्य
   – काव्य
4. महिला रचनाकारों की परिस्थितिकी, रचनाकार के रूप में स्वीकृति, पारिवारिक परिस्थितियाँ, रचनाकारों के सीमित परिवेश, प्राथमिकता का आधार न प्राप्त करना।
5. महिला रचनाकारों का मूल्यबोध– दार्शनिक, सामाजिक, साहित्यिक।
6. महिला रचनाकारों का सौन्दर्यबोध–
   (1) सौन्दर्य की रूढ़ियाँ और महिला रचनाकार
7. महिला रचनाकारों के विद्रोह के स्वर
8. रचनाकारों को विद्यागत अध्ययन
9. लोक साहित्य के महिला स्वर
10. भूमण्डलीकरण का महिला साहित्यकारों पर प्रभाव

अथवा

(स) प्रोजेक्ट रिपोर्ट/लघु शोध प्रबन्ध/ क्षेत्र में प्रसार कार्य एवं आख्या — पूर्णांक–50